विपक्ष के नेता (श्री जसवन्त सिंह): सभापति जी, हम सदन का बहिर्गमन करते हैं।

तत्पश्चात् कुछ माननीय सदस्य सदन से बाहर चले गए।

श्रीमती सुषमा स्वराज (उत्तरांचल): मंत्री जी, वहां आप कहते हैं कि ब्रूटल मर्डर है, लिखित बयान में नहीं कहते, उसके बाद खड़े होकर कहते हैं कि वह मर्डर है, जांच से पहले आप निष्कर्ष निकालते हैं जांच से पहले आप निष्कर्ष निकालते हैं और हत्या कहते हैं, अब यह तो कोई तरीका नहीं है। यह बयान देने का या जवाब देने का कौन सा तरीका है ...(व्यवधान)

श्री दीपांकर मुखर्जी (पश्चिमी बंगाल): इनकी अलग पार्टी बन गई है क्या? ये अलग से क्यों क्लैरिफिकेशन मांग रही है, जब कि इनके बाकी लोग वॉक आउट कर गए हैं ...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद: महोदय, इनको खाली पोलिटिक्स करनी थी, ये वॉक-आउट करने के लिए बैठे हुए थे ...(व्यवधान)

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY (Andhra Pradesn): Sir, I am protesting...*(interruption)*...

प्रो॰ राग देव भंडारी: आपको भी जाना है, उन्हीं के साथ चले जाते ...(व्यवधान)

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: The statement of the hon. Minister is quite contradictory to the statement made in this House. Nothing is mentioned about the FIR and the number of persons involved in it. This is the callous attitude of the hon. Minister towards this ghastly accident. In protest, we are walking out.

(At this stage, some hon. Members left the Chamber.)

श्री सभापति: हो गया, हो गया। Now, let us take up the legislative business.

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल): सभापति जी, यह इतना महत्वपूर्ण विधेयक है ...(व्यवधान)

श्री सभापति: मुझे तीन-तीन बिल निकालने हैं, बैठ जाइए।

श्रीमती सरला माहेश्वरी: सभापति जी, इतने बड़े-बड़े घोटाले हुए हैं।

श्री सभापति: आप घोटालों का बाद में जिक्र कर लेना, अभी बहुत दिन बाकी हैं।

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI JASWANT SINGH) : Sir, as we have said, we do want these measures to be enacted and we are ready to have these laws without any discussion.

MR. CHAIRMAN: Now, the question is:

"That the Bill to amend the Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 and further to amend the Recovery of Debts Due to Banks and Financial Institutions Act, 1993 and the Companies Act, 1956, as passed by Lok Sabha, be taken into consideration."

The motion was adopted.

MR. CHAIRMAN: Now, we shall take up clause-by-clause consideration of the Bill.

Clauses 2 to 23 were added to the Bill.

Clause 1, the Enacting Formula and the Title were added to the Bill.

SHRI P. CHIDAMBARAM: Sir, I beg to move:

"That the Bill be passed."

The question was put and the motion was adopted.

The Central Excise Tariff (Amendment) Bill, 2004

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): Sir, I beg to move:

"That the Bill further to amend the Central Excise Tariff Act 1985, as passed by Lok Sabha, be taken into consideration."

The question was put and the motion was adopted.

MR. CHAIRMAN: Now, we shall take up clause-by-clause consideration of the Bill.